सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण आख्या

जनपद–लखनऊ

दिनांक 14, 15 व 16 जून, 2016

राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई से तीन सदस्यीय भ्रमण टीम डॉ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबन्धक, मुख्यालय, श्रीमती अनीता कुमारी, परामर्शदाता, कम्युनिटी प्रोसेस एवं श्री अरविन्द सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, मातृ स्वास्थ्य द्वारा लखनऊ जनपद के विभिन्न स्वास्थ्य इकाइयों का सपोर्टिव सुपरविजन भ्रमण दिनांक 14, 15 एवं 16 जून, 2016 को किया गया है। जिसकी बिन्दुवार आख्या निम्नवत है–

➢ मलिहाबाद, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र–(एफ0आर0यू0)

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया। स्वास्थ्य इकाई पर 200 से अधिक प्रसव का मासिक प्रसव भार पाया गया एवं गत वित्तीय वर्ष में 100 से अधिक सीजेरियन प्रसव कराये गये।
- मातृ मृत्यु समीक्षा कार्यक्रम का वित्तीय 2015–16 एवं 2016–17 का कोई भी रिकार्ड उपलब्ध नही कराया गया जिस पर भ्रमण दल द्वारा खेद प्रकट किया गया। ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक मातृ मृत्यु समीक्षा प्रशिक्षण लेने के बावजूद रिकार्ड–कीपिंग एवं कार्यक्रम के बारे में पूरी तरह से अनभिज्ञ थे। टीम के सदस्यों ने चिकित्सा अधीक्षक को बी0पी0एम0 के पुनः उन्मुखीकरण का सुझाव दिया गया।

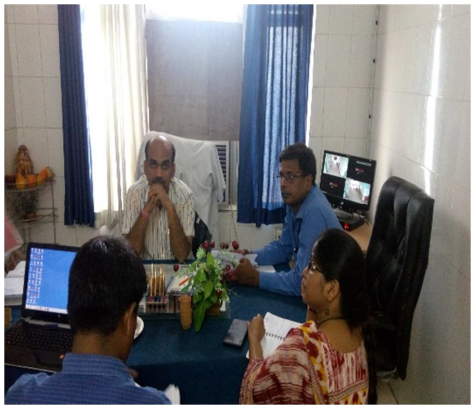

- 03 बिस्तरे वाला लेबर रूम बहुत ही छोटे कक्ष में संचालित हो रहा था एवं कक्ष मे वेंटीलेसन की ब्यवस्था नही थी जिस हेतु ए0सी0 की ब्यवस्था हेतु सुझाव दिया गया। लेबर रूम में प्रोटोकाल पोस्टर डिस्पले थें एवं कलर कोडिड बिन भी प्रयोग में लायी जा रही थी। 02 लेबर टेबल के मध्य प्राइवेसी हेतु पार्टीसियन नही किया गया था जिसकी ब्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। स्टाफ नर्स को पार्टोग्राफ भरना नही पता था एवं वह बेबी वार्मर भी संचालित नही कर पा रही थी।

- बायोमेडिकल वेस्ट प्रबन्धन हेतु आउट साइड की एक एजेंसी हायर की गयी थी जो प्रतिदिन बायोमेडिकल वेस्ट एकत्रित करने आते है।

- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था। चिकित्सक अधीक्षिक को प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी भी नही थी। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को प्रमाण पत्र जिला स्तर से प्रिन्ट कराकर समस्त प्रसव इकाईयों पर उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया था और एफ.बी.एन.सी. एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।

- स्वास्थ्य इकाई में ड्रग लिस्ट डिस्पले थी पर विजबिल नही थी जिसे दोबारा पेन्ट कराने के लिए कहा गया।
- मुख्य चिकित्सका अधिक्षिका के कमरे के बाहर सुझाव पेटिका उपलब्ध थी लेकिन उसका कोई अभिलेख उपलब्ध नही था।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव ंनाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप/अभिलेख में उपलब्ध नही था। निर्धारित प्रारुप में अभिलेख तैयार कराये जाने का सुझाव दिया गया।
-

➢ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– इटौंजा (एफ.आर.यू.)

- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इटौंजा, ब्लाक बख्सी का तालाब के अन्तर्गत एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 के रूप में संचालित है। ब्लाक बख्सी का तालाब में 02 एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 है एवं दोनो सी0एच0सी0 पर 200 से अधिक का प्रसव भार है लेकिन 01 बी0पी0एम0 यूनिट होने के कारण बी0पी0एम0 यूनिट में कार्यरत कर्मचारी रोस्टर के अनुसार 03–03 दिन दोनो सी0एच0सी0 पर कार्य करते है। इटौजा सी0एच0सी0 पर

प्रसव भार अधिक होने के कारण कार्यो को सुचारू रूप से संपादित करने हेतु अधीक्षक द्वारा एक अतिरिक्त बी0पी0एम0 की पोसटिंग हेतु भ्रमण दल से निवेदन किया गया।

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400/–एवं रू 1000/– की धनराशि का वितरण अद्यतन नहीं था। वित्तीय वर्ष 2016–17 में माह अप्रैल से मई माह तक की अवधि में कुल 464 प्रसव कराये गये जबकि 464 प्रसव के सापेक्ष केवल 203 लाभार्थियों का ही भुगतान पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से किया गया। प्रसव के उपरान्त यथाशीघ्र लाभार्थी के खाते में पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से धनराशि अवमुक्त किये जाने का सुझाव दिया गया।

- आ0ई0ई0सी0 के तहत पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन कराया गया और एच.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन अच्छा पाया गया।

➢ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– गुडम्बा (नान एफ.आर.यू.)

- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 02 बिस्तरे वाली इकाई थी जिसमे 10 से 15 प्रसव का प्रत्येक माह का प्रसव भार पाया गया एवं ओ0पी0डी0 औसतन 40 से 50 मरीज प्रतिदिन अभिलखो में दर्ज पायी गयी। मई माह में 1132 ओ0पो0डी0 एवं जून माह में अब तक 1232 ओ0पो0डी0 पायी गयी। वित्तीय वर्ष 2016–17 में अप्रैल से जून मध्य तक केवल 19 प्रसव रिकार्ड में दर्ज पाया गया।

- भ्रमण के दौरान चिकित्सालय में एम0ओ0सी0एच0 डॉ उषा गुप्ता एवं फार्मास्टि ही उपस्थित थे। संविदा पर कार्यरत यूनानी पैथी के मेडिकल आफिसर अनुपस्थित पाये गये। चिकित्सालय

में 01 स्टाफ नर्स 07 ए0एन0एम0 एवं 01 नियमित मेडिकल आफिसर की भी पोस्टिंग है लेकिन भ्रमण के दौरान इनमें से कोई भी उपस्थित नही पाया गया।

- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की बिल्डिग काफी पुरानी एवं जर्जर अवस्था में थी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के बगल में ही नई सी0एच0सी0 बनकर तैयार हो गयी है एवं अगस्त माह तक हैन्डओवर होने की सम्भावना है।

- जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को प्रदान किये जाने वाली रु0 1400/– एवं रू 1000/– की धनराशि का वितरण का रिकार्ड अद्यतन नहीं था। जे0एस0वाई0 योजना के तहत भुगतान का रिकार्ड इकाई स्तर पर नही रखा जा रहा था। चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि स्वास्थ्य इकाई से प्रसव का रिकार्ड ब्लाक सी0एच0सी0 को भेज दिया जाता है एवं जे0एस0वाई0 भुगतान की कार्यवाही सी0एच0सी0 के स्तर से ही होती है एवं समस्त वित्तीय रिकार्ड वही पर उपलब्ध है। भ्रमण दल द्वारा प्रत्येक माह का जे0एस0वाई का लाभ प्राप्त लाभार्थियों का वित्तीय अभिलेख स्वास्थ्य इकाई में रखने एवं अपडेट करनें का सुझाव दिया गया।

- लेबर रूम की स्थिति बहुत ही खराब थी, लेबर टेबल में जंग लगा हुआ था एवं उसमें कैलिस पैड एवं गद्दा भी नही था। प्रथम दृष्ट्या देखने से यही प्रतीत हो रहा था कि जैसे लेबर रूम वर्षो से खुला ही न हो। लेबर रूम पूर्णतया अक्रियाशील अवस्था में पाया गया। डिलीवरी रुम में कोई भी प्रोटोकाल फॉलो नही किया जा रहा था। उसमे न ही लाइट की ब्यवस्था थी एवं न ही 24X7 पानी की ब्यवस्था पायी गयी। टायलेट लेबर रूम से अटैच्ड तो था लेकिन बहुत ही गन्दी अवस्था में पाया गया। लेबर रूम की खिड़किया टूटी हुयी थी एवं जगह–जगह जाले लगे हुये थे। लेबर रूम में इन्फेक्सन प्रावेंशन का कोई भी मानक फालो नही किया जा रहा था। लेबर रूम में एन0बी0सी0सी0 क्रियाशील नही था एवं इकाई पर उपलब्ध 01 रेडियन्ट वार्मर मशीन जनरल वार्ड में अक्रियाशील अवस्था में पायी गयी जिसे यथाशीघ्र मेन्टीनेन्स कराने का निर्देश दिया गया।

- रिकार्ड कीपिंग मानकानुसार फार्मेट एवं रजिस्टर पा नही की जा रही थी। सभी रिकार्ड अपूर्ण एवं अब्यवस्थित पाये गये।
- रोस्टर के अनुसार ए0एन0एम0 ड्यूटी पर नही पायी गयी।
- जनरेटर खराब पाया गया जिसे यथाशीघ्र मेन्टीनेंस कराने के निर्देश दिये गये।
- आ0ई0ई0सी0 के तहत ए.एन.सी./पी.एन.सी. वार्डों में दीवाल लेखन नहीं कराया गया और एफ.बी.एन.सी. प्रोटोकाल पोस्टर भी उपलब्ध नहीं थे। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं का लेखन कराये जाने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव के पश्चात लाभार्थियों को जे0एस0वाई0 प्रमाण पत्र नही दिया जा रहा था।

➢ वी.एच.एन.डी. सत्र ग्राम भरसरः

- भरसर ग्राम पंचायत के उपकेन्द्र रायसिंहपुर में आयोजित वी.एच.एन.डी. सत्र का अवलोकन किया गया। सत्र में टीकाकरण किया जा रहा था। भ्रमण के दौरान ड्यू लिस्ट उपलब्ध थी लेकिन माइक्रोप्लान उपलब्ध नही था। आशा व ए0एन0एम0 को सत्र के आयोजन से पूर्व ड्यू लिस्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

- ए.एन.एम. शैलष कुमारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री, निशा एवं सहायिका के द्वारा टीकाकरण सत्र एवं सप्लीमेंट का वितरण किया जा रहा था। वैक्सीन तथा डाइल्यूएंट चार आइस वाले वैक्सीन कैरियर में जिपर युक्त थैली के अंदर उपलब्ध पाए गए।
- आंगनवाडी कार्यकत्री द्वारा सत्र के दौरान 06 धात्री महिलाओं एवं 12 गर्भवती महिलाओं को सप्लीमेंट वितरित किया गया।
- आयोजित सत्र में उपलब्ध सभी वैक्सीन एवं उनके डाइल्यूएंट उपलब्ध पाए गए। ए0एन0एम0 द्वारा टीकाकरण के 4 मैसेज भी लाभार्थियों को दिये जा रहे थे। समस्त रिकार्ड यथावत् भरे जा रहे थे।

- ए0एन0एम0 को सुझाव दिया गया कि वी.एच.एन.डी सत्र हेतु एक फ्लैक्स बैनर बनवा ले जिससे जहॉ भी सत्र आयोजित हो तो उसको लगाया जा सके।

- ए0एन0एम0 द्वारा सभी गर्भवती महिलाओं का ब्लड प्रेशर, वजन, हिमाग्लोबिन इत्यादि का परीक्षण किया जा रहा था।
- पिछले सत्र के काउंटरफॉयल उपलब्ध नही थे। सत्र के दौरान अपेक्षित लाभार्थियों की सूची एवं लाल व काली थैलिया नही पायी गयी।

➢ उपकेन्द्र कटरा बक्कास–

- ब्लाक सीएच0सी0 गोसाईगंज के उपकेन्द्र कटरा–बक्कास का अवलोकन किया गया जो कि न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन में ही संचालित था।
- ए0एन0एम0 द्वारा केन्द्र के भवन में ही प्रसव कराया जा रहा था। जिस पर 12–14 प्रसव का औसतन मासिक प्रसव भार पाया गया। वित्तीय वर्ष 2016–17 में अप्रैल से जून मध्य तक 36 प्रसव कराये जा चुके है। प्रसव कक्ष में पानी एवं लाइट की ब्यवस्था पायी गयी। लेबर रूम मे लेबर टेबिल मानकानुसार पायी गयी एवं कलर कोडिड बिन भी उपलब्ध थी एवं उपयोग में लाया जा रहा था। प्रसव कक्ष में प्रोटोकाल पोस्टर प्रदर्शित थे।

- आर0 सी0एचं0 रजिस्टर उपलब्ध था लेकिन अद्यतन नही पाया गया।
- ए0एन0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2014–15 एवं 2015–16 में केन्द्र को अन्टाइड फन्ड स्थान्नतरण नही किया गया।
- ए0एन0एम0 की एस0बी0ए0 ट्रेनिंग हो चुकी है एवं उसके द्वारा केन्द्र पर बी0पी0, ब्लड शुगर एवं खून की जाँच की जा रही थी।

(अरविन्द सिंह)	(अनीता कुमारी)	(डॉ0 पी0के0 श्रीवास्तव)
पी0सी0,एम0एच0	परामर्शदाता,कम्यु0 प्रोसे0	महाप्रबन्धक, मुख्यालय